



॥ सरस्वती नः सधमा भवस्कान् ॥

मुक्त चिन्तन

News Letter



30प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

16 अप्रैल, 20256

मुविवि की शिक्षिकाओं ने निकाली पदयात्रा एवं स्कूटी रैली
मिस्ड कॉल, हस्ताक्षर अभियान एवं मानव श्रृंखला बनाई

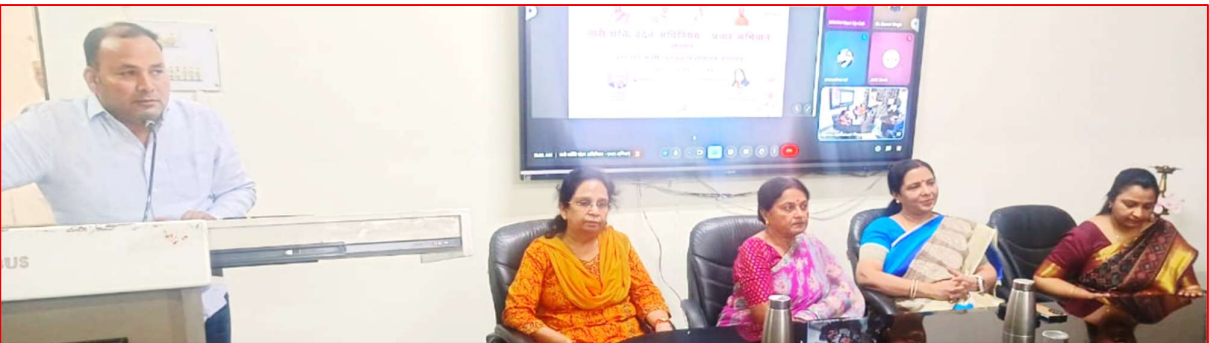


उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में बृहस्पतिवार दिनांक 16 अप्रैल 2026 को नारी शक्ति वंदन अधिनियम जागरूकता एवं प्रचार-प्रसार कार्यक्रम के अंतर्गत पदयात्रा, स्कूटी यात्रा, मानव श्रृंखला कार्यक्रम, मिस्ड कॉल कार्यक्रम एवं दीवार हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना एवं नारी शक्ति के महत्व को समाज में स्थापित करना रहा।





कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती सीमा सत्यकाम ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य वक्ता रेशमा श्रीवास्तव, सितार वादक एवं प्रोफेसर दिव्या रानी सिंह, विभागाध्यक्ष, गृह विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय रहीं। उन्होंने अपने वक्तव्य में नारी सशक्तिकरण, शिक्षा, समान अधिकार एवं आत्मनिर्भरता के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। मंचासीन वित्त अधिकारी श्रीमती पूनम मिश्रा तथा प्रोग्रामर श्रीमती सीमा सिंह ने भी नारी शक्ति वंदन अधिनियम के पहल की सराहना की।



कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रोफेसर आनन्दानंद त्रिपाठी



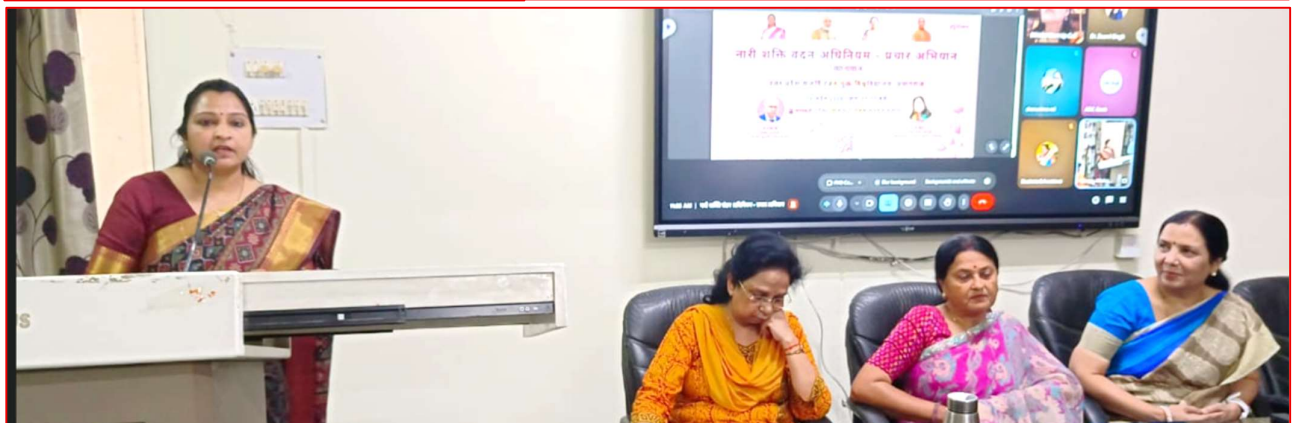
दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए माननीय अतिथिगण



कार्यक्रम की संयोजक प्रो. मीरा पाल, प्रभारी, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा एवं निदेशक, महिला अध्ययन केंद्र के कुशल निर्देशन में कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर आनन्दानंद त्रिपाठी एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. त्रिविक्रम तिवारी ने किया।

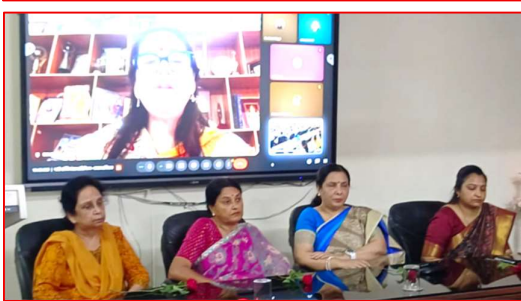


पुष्पगुच्छ भेंट कर
माननीय अतिथियों का
स्वागत करते हुए
विश्वविद्यालय परिवार
के सदस्यगण

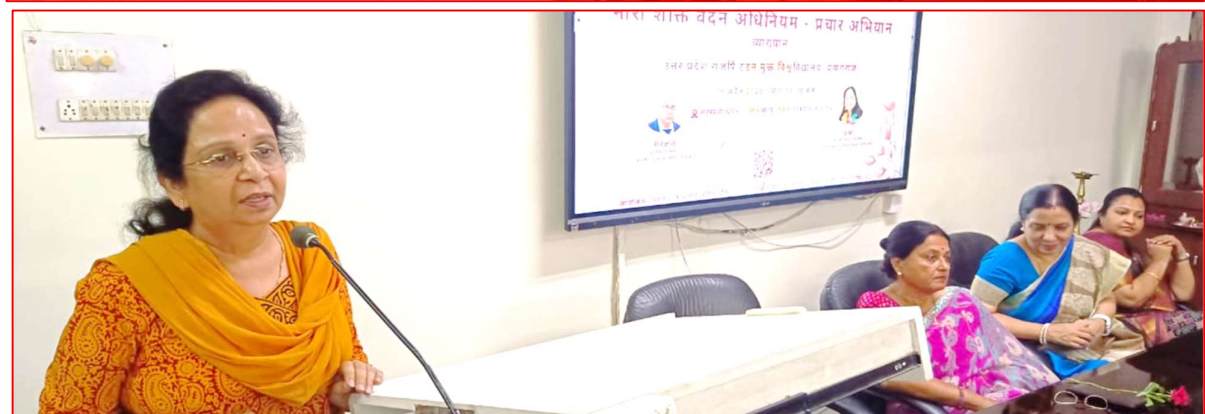


माननीय अतिथियों का स्वागत एवं परिचय देती हुई कार्यक्रम की संयोजक प्रो. मीरा पाल, प्रभारी, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा एवं निदेशक, महिला अध्ययन केंद्र

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता रेशमा श्रीवास्तव, सितार वादक एवं प्रोफेसर दिव्या रानी सिंह, विभागाध्यक्ष, गृह विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय रहीं। उन्होंने अपने वक्तव्य में नारी सशक्तिकरण, शिक्षा, समान अधिकार एवं आत्मनिर्भरता के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।



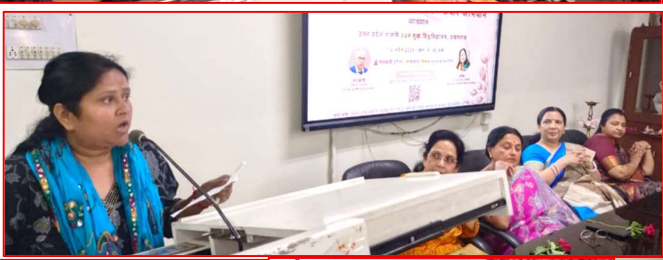
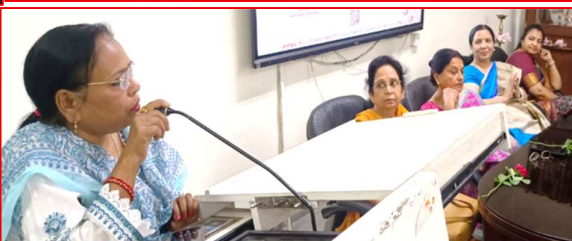
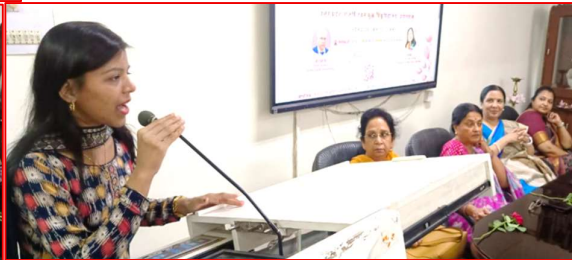
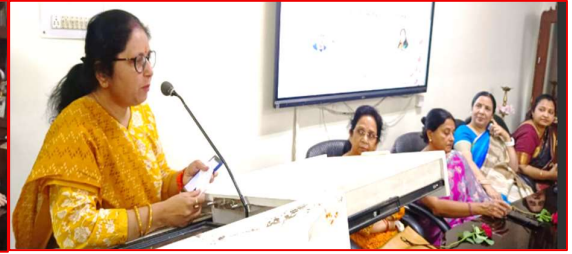
कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही श्रीमती सीमा सत्यकाम एवं मंचासीन वित्त अधिकारी श्रीमती पूनम मिश्रा तथा प्रोग्रामर श्रीमती सीमा सिंह ने भी नारी शक्ति वंदन अधिनियम के पहल की सराहना की।



कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिला कर्मचारियों एवं शिक्षिकाओं ने नारी शक्ति विषय पर सारगर्भित विचार व्यक्त किए और समाज में महिलाओं की भूमिका को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया।

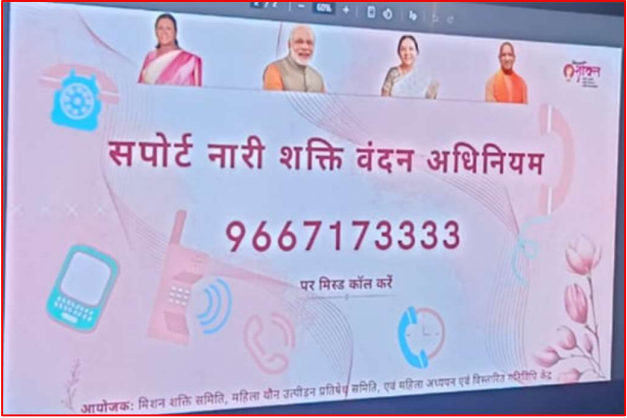


कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिला कर्मचारियों एवं शिक्षिकाओं ने नारी शक्ति विषय पर सारगर्भित विचार व्यक्त किए और समाज में महिलाओं की भूमिका को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया। इस प्रकार यह कार्यक्रम अत्यंत ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं जागरूकता बढ़ाने वाला सिद्ध हुआ।



माननीय अतिथियों को अंगवस्त्र भेंट कर उनका सम्मान करती हुई कार्यक्रम की संयोजक प्रो. मीरा पाल, प्रभारी, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा एवं निदेशक, महिला अध्ययन केंद्र

मिस्ड कॉल अभियान



नारी शक्ति वंदन अधिनियम से हम एक नए युग की तरफ बढ़ रहे— प्रोफेसर सत्यकाम

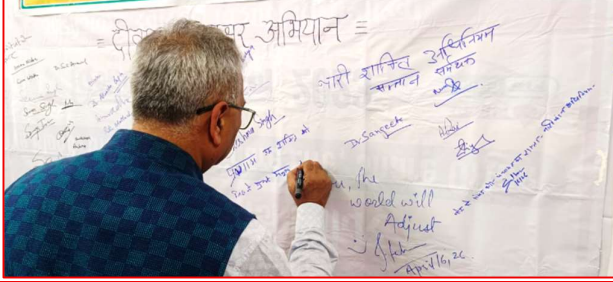


आयोजन के सूत्रधार कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि हम एक नए युग की तरफ बढ़ रहे हैं। हर एक समाज की अपनी अपनी संरचना होती है। उस संरचना का प्रभाव हर एक विकासशील पथ पर पड़ता है। प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि प्रधानमंत्री के इस कदम का स्वागत किया जाना चाहिए। उन्होंने महिला शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए लोगों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा से ही बदलाव आएगा। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने मिस्ट्र कॉल अभियान एवं दीवार पर हस्ताक्षर कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए महिलाओं के प्रति आभार व्यक्त किया।



धन्यवाद ज्ञापन करते हुए डॉ. त्रिविक्रम तिवारी

दीवार पर हस्ताक्षर कार्यक्रम



इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी ने हरी झंडी दिखाकर स्कूटी रैली तथा पदयात्रा का शुभारंभ किया। शिक्षिकाओं, शोध छात्राओं तथा महिला कर्मचारियों ने विश्वविद्यालय में मानव श्रृंखला बनाकर नारी शक्ति वंदन अधिनियम जागरूकता प्रचार-प्रसार अभियान में सक्रिय सहभागिता की।

पदयात्रा कार्यक्रम



मानव श्रृंखला कार्यक्रम



स्कूटी यात्रा कार्यक्रम

